पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

Issue#3 March 2006 - October 2006

President's address

Dear Paryavaran Mitra,

Wish you an environment friendly Diwali!

Diwali is celebrated with great enthusiasm all across the world.. The festival has several expressions in India but the picture that comes to mind is of swaying colourful lanterns, *toran*, *earthen diyas* lighting up the *rangoli* and of course, new clothes, gifts and the sweets and snacks bursting out of food cupboards.

People also believe that Goddess Laxmi visits only a clean, green and serene home or workplace.

But when we celebrate Diwali, do we think of the damage we do to our environment, unwittingly? Fireworks manifest a selfish approach to pleasure. The skyline is filled with burst of colours but they have a sinister story to tell…

Air pollution levels rise by 6 to 10 per cent during Diwali, with nitrous oxide and sulphur dioxide levels rising considerably. Noise pollution crosses the acceptable level and there is also water, air and land pollution. Unfortunate instances of Injury and fatalities also occur.

In the US, sale of fireworks is banned in most states. In Canada, sparklers and indoor fireworks are available to adults with the 'Certificate of Competency'. In Japan, minors cannot buy firecrackers and other countries impose strict legal controls on the sale and use of fireworks. In India also the Supreme Court has imposed certain restrictions on manufacture and use of fireworks. But strict implementation by the Government leaves much to be desired and these fireworks are available to anyone, anywhere, anytime, without any hindrance.

People, like good citizens, should adhere to the laws in their own interest.

The Diwali festival is associated with the return of Lord Rama to Ayodhya after spending fourteen years in the forests in exile. Even though he was a king, Lord Ram led an environment friendly life, surrounded by abundant rivers, trees and animals. We celebrate his arrival by lighting and decorating homes and markets.

Shouldn't we all begin taking a small step and give a thought to environment and refuse to burst crackers?

Wishing you a safe, healthy, noiseless and enjoyable Diwali...

Kiran Bajaj

I bow to you, O ! Auspicious Light ! And pray to you for the good and well being, health, happiness and prosperity of all. May you also destroy the evil mind.

अध्यक्ष का वक्तव्य

प्रिय पर्यावरण मित्र,

सम्पूर्ण विश्व में दीपावली बड़े उत्साह के साथ मनायी जाती है। इस त्यौहार के भारत में विभिन्न रूप हैं, फिर भी जो चित्र सामने उभरते हैं, वह हैं लहराती रंगीन कंदीलें, बन्दनवार, रंगोली,जगमगाते मिट्टी के दिये. साथ ही नये वस्त्र, उपहार, एवं मिष्ठान्न।

साथ ही जन सामान्य विश्वास करता है कि देवी लक्ष्मी स्वच्छ, हरित एवं शांत कार्य स्थल पर ही निवास करती हैं।

पर जब दीपावली मनाते हैं, तो क्या हम सोचते हैं कि अनजाने में हम पर्यावरण को कितनी क्षति पहुँचा रहे हैं? आतिशबाजी हमारे स्वार्थ को दर्शाती है। आकाश रंगीन पटाखों से भर जाता है पर वे एक विनाशकारी कथा भी सुनाते हैं!

दीपावली पर नाइट्रस ऑक्साइड तथा सिल्वर ऑक्साइड का स्तर अत्यधिक हो जाने से प्रदूषण ६ से १० प्रतिशत बढ़ जाता है। ध्वनि प्रदूषण असहनीय हो जाता है और यह वायु,जल तथा थल प्रदूषण को उत्पन्न करता है जिससे बहुत हानियाँ होती हैं।

अमेरिका में पटाखों पर प्रतिबन्ध है। कनाडा में पटाखे प्रमाण पत्र के साथ केवल वयस्कों के लिए ही उपलब्ध हैं। जापान में बच्चे पटाखे नहीं खरीद सकते हैं और अन्य देशों में पटाखों की बिक्री और प्रयोग पर कड़े प्रतिबन्ध लगा दिये गये हैं।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने भी पटाखों के बनाने एवं प्रयोग पर कुछ प्रतिबन्ध लगाए हैं। किंतु इन्हें लागू करने में सरकार की ओर से ढिलाई बरती जाती है। इस तरह पटाखे हर जगह, हर समय, सबके लिए उपलब्ध हैं। अच्छे नागरिकों की तरह लोगों को चाहिए कि वे स्वयं अपने हित में इन कानूनों का पालन करें।

दीपावली का त्यौहार श्रीराम के चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटने से सम्बन्धित है। स्वयं राम ने राजा होते हुए भी नदियों, वृक्षों, पशु–पक्षियों के साथ पर्यावरण हितैषी जीवन बिताया था।

क्या आप भी पर्यावरण के हित में सोचते हुए छोटा ही सही, कोई कदम उठायेंगे ?

आप सबको सुरक्षित, स्वच्छ एवं शान्तिपूर्ण दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें !

किरण बजाज

Word Forest Day

'विश्व वानिकी दिवस'

Forest Awareness Rally was organized at Bateshwar in which students of rural area took part in large numbers.

बटेश्वर में वन चेतना रैली निकली गयी जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

Tree Plantation on World Forest Day were done in rural areas.
विश्व वानिकी दिवस पर ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया गया।

Forest Awareness Symposium was organized in which forest officials of Firozabad, Shikohababd, Tundla and Jasrana took part and discussed ways & means of collective partnership of everybody for the survival and growth of forests.

वन चेतना संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, टूण्डला और जसराना के वन क्षेत्र अधिकारियों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में वन की अस्तित्व एवं वृद्धि के उपायों और साधनों में सामूहिक जन भागीदारी पर चर्चा हुई।

World Water Day

विश्व जल दिवस

On the occasion of 'World Water Day', five earthen pots symbolizing five elements (Earth, Water, Air, Fire, Sky) were worshiped by rural women at Bateshwar wishing for making this world free from all kinds of pollution and for abundance of Water resources.

विश्व जल दिवस के अवसर पर 'पर्यावरण मित्र' के सहयोग से पंचतत्वों के प्रतीक स्वरुप ''जल कलशों'' को बटेश्वर की ग्रामीण महिलाओं ने, विधिवत् पूजा अर्चना के साथ यमुना जल में प्रवाहित किया और यह कामना की, कि सम्पूर्ण विश्व प्रदूषण रहित हो जाय, विश्व में जल की प्रचुरता बनी रहे, वह प्रदूषित न हो।

It was a creative attempt to link ancient Hindu belief in five elements as constituents of life of world to the modern context and crises faced by humanity

प्राचीन हिन्दू मान्यता 'क्षिति जल पावक गगन समीरा, पंचतत्व मिलि बना सरीरा' की भावना को वर्तमान संदर्भो से जोड़ने वाले इस कार्यक्रम से लोगों ने जल संरक्षण की दिशा में सोचने का निश्चय किया।

World Environment Day

विश्व पर्यावरण दिवस

On June 5, Paryavaran Mitra organized several programmes commemorating "World Environment Day" in village Fatehpur Karkha of Shikohabad block. The main project undertaken was reviving of nearby two hundred and fifty years old pond. A pledge for this was taken by all villagers.

विश्व पर्यावरण दिवस (५ जून) के अवसर पर शिकोहाबाद खण्ड के गाँव फतेहपुर कर्खा में पर्यावरण मित्र द्वारा ढाई सौ वर्ष पुराने तालाब को पुनर्जीवित कराने का ग्रामवासियों को संकल्प दिलाया गया।

- Paryavaran Mitra Parivar (PMP), Chennai observed the day by initiating tree plantation drive at ASIRO-Age old Siddhars Indian Research organization, Attampattu village.
- Bhubneswar Pariwar celebrated the day with students of Mahabodhi Society School, Bhubneswar and planted trees.
- *चेन्नई परिवार ने अट्टमपट्टू गांव जो कि चैयुरताल्लू जिला कांचीपुरम् में स्थित है 'असिरो' आश्रम में जाकर वृक्षारोपण अभियान पर अमल किया।*
- *भुवनेश्वर परिवार ने महाबोधि सोसायटी पब्लिक स्कूल के साथ मिलकर वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया।*

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

कपड़ा जूट कागज की थैली
तब न होगी धरती मैली

Tree Plantation being done by Executive Director of Hind lamps A.P. Sharma on World Environment Day.

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण करते हिंद लैम्प्स के कार्यकारी निदेशक ए. पी. शर्मा

PMP Cochin celebrated the day with St. Mary's U.P. School, Thevera. Main activities were the Tree plantation and cleanliness drive. The School has already avoided the use of polythene bags.

कोचीन परिवार ने ५ जून २००६ को विश्व पर्यावरण दिवस, सेन्ट मेरीज़ यूपी स्कूल, थेवेरा, अर्नाकुलम के साथ मनाया। वृक्ष लगाये गये तथा सफाई की गयी। स्कूल के बच्चों ने पॉलीथिन बैग प्रयोग न करने का संकल्प लिया।

Tree Plantation

वृक्षारोपण

***'Van Mahotsava'** was celebrated at village Chhatanpura under the joint auspices of Paryavaran Mitra and Dept. of forest, Firozabad district. Local community was made aware of the fact that they are the proud residents of Braj Bhoomi which had been historically covered with forest area covered of variety of flora and fauna. Now the entire region not only faces the problem of ravishing forest cover but even trees and plant varieties are also diminishing day by day making the region barren and dry.*

***वन महोत्सव :** 'पर्यावरण मित्र' व वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में छटनपुरा में वन महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर लोगों को वनों के प्रति सचेत करने के लिये यह ध्यान दिलाया गया कि वे बृजभूमि के निवासी हैं। एक समय इस क्षेत्र की पहचान विभिन्न प्रकार के वनों से ही थी, आज जिनका नामोनिशान नहीं है। लेकिन एक बार फिर बृजभूमि पर वैसी ही हरियाली के लिये प्रयास करने चाहिए।*

Paryavaran Mitra organized an extensive plantation drive at Jawahar Navodaya Vidyalaya, Guraiya Soyalpur. More than 4500 plants of different varieties were planted.

The Vidyalaya also set up a *Rajiv Gandhi Smriti Van* within the campus with the objective of encouraging tree plantation drive. This park was inaugurated by Kiran Bajaj.

'पर्यावरण मित्र' ने गुरैया सोयलपुर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में दिनांक १८ जुलाई २००६ को वृहद कार्यक्रम चलाकर साढ़े चार हजार से भी ज्यादा, विभिन्न किस्मों के पौधे लगाये। जवाहर नवोदय विद्यालय ने वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए राजीव गाँधी स्मृति वन की स्थापना भी की, जिसका उद्घाटन किरण बजाज ने किया।

As part of extensive tree plantation drive underatken by PMP Nagpur, Dr. Vedpraksh Mishra, Vice Chacellor, Datta Meghe Institute of Medical Science, Wardha planted a sapling in front of Jankidevi Bajaj Vigyan Mahavidyalaya. Earlier a function was presided over by Narayan Jaju.

नागपुर परिवार ने वृक्षारोपण कार्यक्रम को एक क्रांति का रूप दिया है। डॉ. वेदप्रकाश मिश्र, उपकुलपति, दत्ता मेघे इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, वर्धा जानकी देवी बजाज विज्ञान महाविद्यालय के सामने एक पौधा लगाते हुए. इसके पूर्व एक कार्यक्रम की अध्यक्षता नारायण जाजू ने की।

- Total trees planted in Shikohabad area are 6474 in year 2006 by Paryavaran Mitra. This number is still increasing.
- 1225 trees of different varieties were planted in Vrindavan. 10 trees with protection guards were given to "Food for life" Vrindavan for their plantation in "Parikrama Marg".
- PMP Chandigarh did tree plantation on 2nd June, 2006 which got wide coverage in local newspapers.
- PMP Kolkata has conducted a plantation programme at Dharmtala Garden. They also have taken a garden at Dharmtala near KC Das.
- PMP Indore planted saplings at St. Vincent Pallotti School premises.
- PMP Hyderbad planted and distributed saplings at Dwaraka High School Domalguda, Hyderbad having strength of 1000 students.

- पर्यावरण मित्र द्वारा शिकोहाबाद क्षेत्र में वर्ष २००६ में अब तक रोपित किये जा चुके वृक्षों की संख्या ६४७४ है। इसमें निरन्तर वृद्धि हो रही है।
- १२२५ वृक्षों की विभिन्न प्रजातियों का रोपण वृन्दावन में किया गया। १० वृक्ष मय सुरक्षा गार्ड के ''फूड फॉर लाइफ'' संस्था वृन्दावन को, 'परिक्रमा मार्ग' में लगाने के लिए दिये गये।
- चंडीगढ़ परिवार ने २ जून को ट्रिब्यून कालौनी में वृक्षारोपण किया जिसका प्रकाशन समाचार पत्रों में प्रमुखता से हुआ।
- कोलकाता परिवार ने धर्मतला गार्डन में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। जुलाई माह में ही उन्होंने के. सी. दास के निकट धर्मतला गार्डन में एक बगीचे को लिया।
- इन्दौर परिवार ने सेंन्ट विन्सेंट पालोटी स्कूल परिसर में पौधों का रोपण किया।
- हैदराबाद परिवार ने १००० विद्यार्थियों की क्षमता वाले द्वारका हाईस्कूल, दोमालगुडा, हैदराबाद में पौधों का रोपण तथा वितरण किया।

PMP Guwahati conducted a plantation of saplings.
गुवाहाटी परिवार ने १६ जून को बाल भारती पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण का आयोजन किया तथा छात्र–छात्राओं के साथ इसकी महत्ता पर भी चर्चा की।

STOP PRESS **अनुरोध**

Please do send your views and experience about preventing the air, water, land pollution and misuse of water.

कृपया पानी के दुरपयोग, विभिन्न प्रदूषण जैसे वायु–जल–थल के रोकथाम पर अपने विचार या व्यक्तिगत अनुभव हमें अवश्य भेजें।

Environmental Awareness

PMP Patna took initiative for spreading details and objectives of Paryavaran Mitra at Girls Middle School, Jamui. On their motivation teachers of school took oath for devoting one hour per day for environmental education.

Tulsi and Neem both contain antibiotic properties. Both help prevent not only air pollution but also the menace of mosquitoes. Also they provide relief to skin and cardiac problems.

पर्यावरण चेतना

पटना परिवार ने गर्ल्स मिडिल स्कूल, जमूई में जाकर पर्यावरण चेतना का प्रसार किया। अध्यापकों ने संकल्प लिया कि प्रतिदिन एक घंटा पर्यावरण के विषय में बच्चों को बताया जायगा।

"If the wars of this century were fought over oil, the wars of the next century will be fought over water"

- World Bank

PMP Kolkata organized an awareness programme in which banners printed in local language were displayed and leaflets of objectives of Paryavaran Mitra were distributed. Wall paintings were also made.

कोलकाता परिवार ने २६ मई को पर्यावरण चेतना का प्रसार किया। स्थानीय भाषा में पत्र बांटे गये, वृक्ष लगाये गये तथा दीवारों पर पर्यावरण मित्र के उद्देश्यों को अंकित कराया गया।

PMP Ahmedabad organized a gathering in Maharshi Ghosh Garden, Naranpura of children of various age groups. Importance of plantation to keep the city clean and green was emphasized.

अहमदाबाद परिवार ने महर्षि घोष गार्डन, नारनपुरा में विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों के बीच शहर को स्वस्थ और हरा भरा रखने में वृक्षारोपण की भूमिका पर वार्ता की गयी।

PMP Mumbai undertook one day campaigning at Lalbaug, Sewree, Mahim, Santacruz, Thane and other places.

PMP Raipur invoked environmental awareness in a programme of World Food Programme of United Nations at Jashpur, Dist. Chhattisgarh. In the gathering of school teachers and block representatives of entire district, continuous degradation of the environment causing global warming, floods, deterioration of physical and mental health were explained. An appeal was made for tree plantation, control of the use of plastic bags and importance of water purification.

PMP Chennai undertook a programme of creating awareness at Marina beach.

मुम्बई परिवार ने एक दिवसीय पर्यावरण चेतना भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें लाल बाग, शिवड़ी, माहिम, सांताक्रुज, ठाणे, आदि स्थानों का भ्रमण कर पर्यावरण चेतना का प्रसार किया।

रायपुर परिवार ने 'विश्व खाद्य कार्यक्रम' के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण चेतना जगायी जिसमें पर्यावरण क्षरण, भूमण्डलीय ताप वृद्धि, बाढ़, शारीरिक–मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट आदि पर प्रकाश डाला गया। वृक्षारोपण करने, प्लास्टिक थैलों के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाने एवं जल के शुद्धीकरण की आवश्यकता पर विशेष रुप से ध्यान आकर्षित किया गया।

चेन्नई परिवार ने ६ जुलाई को मरीना बीच पर पर्यावरण चेतना का प्रसार किया।

PMP Delhi had a whole row of pillars outside the office along the road painted with environment protection message. This is being appreciated by many in the neighbourhood.

दिल्ली परिवार ने अपने ऑफिस के बाहर सड़क के किनारे खंभों पर पर्यावरण संरक्षण संदेश पेंट किए हैं। वहाँ के लोग इसे खूब सराह रहे हैं।

Bajaj Electricals sponsored hoardings at Mumbai, Lucknow, Kanpur and Nagpur carrying the message of keeping the gutters free from polythene and garbage. "ADS Advertising Pvt Ltd" provided the sites free.

बजाज इलेक्ट्रिकल्स तथा एडीएस एडवर्टाइजिंग प्रा. लि. के सौजन्य से मुंबई, लखनऊ, कानपुर और नागपुर में होर्डिंग लगाई गईं, जिन पर नालियों को कचरा और पॉलीथिन से मुक्त रखने के संदेश थे।

Be aware of Dengue

Many diseases spread because of air, water pollution and unhygienic conditions.

In open trash and drainage and stagnant water lot of mosquitoes breed. Malaria has come back in India and now with breeding of mosquitoes we have Dengue and chickengunia. We do not have any vaccine and medicine for these diseases.

We could have prevented these diseases very easily. Just by keeping our surroundings clean. Now we are ready to waste energy, time and money. Citizen's and Government have to wake up and take firm steps to stop everything what causes unhealthy conditions, otherwise there is no end to our suffering.

Prevention

- Wear full sleeve clothes and trousers and socks.
- Keep office and residential areas clean & dry.
- Collection of water should not be allowed inside or around home and office premises.
- Use mosquito repellant and mosquito net.

डेंगू से सचेत रहें

पहले मलेरिया तथा पीलिया और अब डेंगू तथा चिकनगुनिया जैसी बीमारियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि गंदगी के फैलाव के कारण मच्छरों की बढ़ोतरी होती है और उसकी वजह से तरह तरह की बीमारियां फैलती हैं।

डेंगू व चिकनगुनिया के कोई वेक्सीन भी नहीं हैं। गंदगी और रुके हुए पानी की वजह से यह बीमारी बार–बार एक ही आदमी को हो जाती है और उससे लोग मर भी रहे हैं।

हमें मालूम है कि गंदगी की वजह से ये संक्रामक बीमारियां होती हैं तो नागरिक और प्रशासन क्या कर रहे हैं?हम अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी क्यों मार रहे हैं? जड़ को न सींच कर पत्तों पर ही सिर्फ पानी क्यों देते हैं?

अगर हम सचमुच चाहते हैं कि हम बीमारियों से ग्रस्त न हों, समय, पैसा व शक्ति बरबाद न हो तो हम बुनियादी सिद्धांतों का पालन करें जिसमें साफ–सफाई अहम है। जब सब जगह सफाई होगी तब मच्छर भी नहीं होंगे। जब मच्छर नहीं होंगे तो ये बीमारियां नहीं होंगी। सीधी सी बात है।

रोकथाम

- पूरी बांह और पांव ढके हुए कपड़े पहनें।
- ऑफिस और घर के आस–पास साफ–सफाई रखें।
- किसी भी तरह का पानी घर–ऑफिस के आस–पास इकट्ठा द होने दें।
- मच्छर से बचने के मलहम आदि और मच्छरदानी का प्रयोग करें।

Painting Compitition

चित्र कला प्रतियोगिता

PMP Hyderbad has conducted painting/drawing competition in Dwaraka High School, Domalguda Hyderabad. Around 60 students participated. The theme given was "Mother Nature."

हैदराबाद परिवार ने द्वारका हाईस्कूल, दोमालगुडा, हैदराबाद में 'प्रकृति माँ' शीर्षक पर पेन्टिग/चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें ६० विद्यार्थियों ने भाग लिया।

PMP Ahmedabad organised a Drawing Competition at Vijaynagar School three classes of 5th standard. The children enthusiastically participated. Prizes were given to three best drawings in each class.

अहमदाबाद परिवार ने विजयनगर स्कूल के कक्षा पांच के छात्रों में एक ड्राइंग स्पर्धा का आयोजन किया। बच्चों ने बड़े उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। प्रत्येक वर्ग से तीन उत्तम ड्राइंग के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

तुलसी और नीम में एंटीबायोटिक तत्व हैं। दोनों से हवा के प्रदूषण से ही नहीं मच्छरों से भी बचाव होता है। साथ ही इनसे त्वचा व हृदय रोगों से भी राहत मिलती है।

''इस सदी का विश्वयुद्ध यदि तेल को लेकर हुआ, तो अगला विश्वयुद्ध पानी के लिए होगा।''
– विश्व बैंक

PMP Mumabai had some excited students of St. Xaviers School, Santacruz participating in a painting competition. The prize winners proudly displayed their certificates.

मुंबई परिवार ने पेंटिंग स्पर्धा द्वारा सेंट ज़ेवियर्स स्कूल, सांताक्रुज के छात्रों में उत्सुकता व उत्साह की लहर पैदा कर दी। पुरस्कार विजेता छात्र अपने प्रमाणपत्र दर्शाते हुए।

♣ PMP Raipur organized a Drawing and Slogan competition on 19th August, 2006 at Mayaram Surjan Govt. Girls H. School, Raipur. 45 selected students took part in three groups of 15 each. Topics were: Misuse of Plastic & Pollution, Water pollution, ill effect of traffic pollution.

♣ रायपुर परिवार ने मायाराम सुरजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, चौबे कॉलोनी रायपुर में चित्रकला एवं नारे प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें ४५ चयनित छात्राओं ने १५ के समूह में भाग लिया। शीर्षक थे :''प्रदूषण और प्लास्टिक का दुरुपयोग'' ''जल प्रदूषण'' ''यातायात प्रदूषण के दुष्प्रभाव''।

Kudos to our Life Members

हमारे आजीवन सदस्यों के प्रशंसनीय कार्य

Reega Sugar Co., Dhanukagram, Reega deserve all accolades for undertaking commendable programmes for promoting environment friendliness in and around their campus.

- 50,000 Jetrafa (an environment friendly plant) have been planted in the campus, along the road and in farmer's fields.
- They have also sowed the seeds of Karanj in farmers' fields. This also is an organic DEEJAL plant.
- The mill has undertaken to revitalise 20 ponds by deepening them. This would immensely help the villagers.
- The factory keeps holding regular get togethers of farmers and make them understand the importance of environment protection.

रीगा शुगर कम्पनी, धानुकाग्राम, रीगा अपने प्रांगण के अंदर एवं आस–पास के क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रमों के लिए बधाई के पात्र हैं।

- लगभग ५०,००० जैट्राफा, जो कि एक पर्यावरण मित्र जैविक डीजल पौधा है, सड़कों के किनारे, मिल प्रांगण और किसानों के खेतों में लगाए गए हैं।
- मिल द्वारा किसानों के खेतों में लगभग २ क्विंटल करंज के बीज की रोपनी करायी गर्ल है। ये भी एक पर्यावरण मित्र जैविक डीजल पौधा है।
- मिल द्वारा लगभग २० पोखरों से रेत निकाली गई है एवं उनको गहरा किया गया है, ताकि किसानों को इसका समुचित लाभ मिल सके।
- मिल द्वारा प्रायः किसानों की गोष्ठी आयोजित की जाती है , जिसमें पर्यावरण सरंक्षण के महत्व को समझाया जाता है ।

Smt. Urmila Pasari has been taking keen interest in environment protection for many years. This is her paradise.

श्रीमती उर्मिला पसारी पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में कई वर्षों से संलग्न हैं। वे अपने आस–पास स्वच्छता व हरियाली रखने में तत्पर रहती हैं। ये है उनका नैसर्गिक बगीचा।

Membership Drive

सदस्यता अभियान

- Membership of Paryavaran Mitra is increasing. The total number of member till the publication of this newsletter is 2389 with 4 Honorary Life Members, 26 Life members, 172 Patron members and 2187 Ordinary Members.

- पर्यावरण मित्र की सदस्यता बढ़ रही है, इस न्यूज़लैटर के प्रकाशित होने तक कुल सदस्यों की संख्या २३८९ तक पहुँच चुकी है। इनमें ४ मानद आजीवन सदस्य, २६ आजीवन, १७२ संरक्षक तथा २१८७ सामान्य सदस्य शामिल हैं।

They live & even die for nature

While crores of rupees and trillions of dollars are spent throughout the world to propagate environment protection, there is one faith or religion, perhaps the only one in the world, which is wholly and solely devoted to nature and promotes conservation as the objective of human life. They are the Bishnois in Rajasthan. In the year 1730, over 300 Bishnois laid down their lives while trying to save their trees from being hacked by a king's men. For over half a millennium, the Bishnois lived by the 29 rules and evolved their lifestyle into a religion that fiercely protects the environment. Some of the rules are:

- Never cut a young tree.
- Bury your dead simply to save on the wood.
- Protect wildlife to maintain soil fertility and hold balance of life forms.
- Conserve water by building tanks everywhere.

प्रकृति के लिए वे मरने को भी तैयार हैं

कौन विश्वास करेगा कि जहां करोड़ों रुपये तथा डॉलर पर्यावरण की सुरक्षा पर खर्च किये जा रहे हैं, वहां संसार में केवल एक अकेला समुदाय या धर्म है जो पूर्ण रूप से प्रकृति के प्रति समर्पित है तथा इसके संरक्षण को ही मानव–जीवन का लक्ष्य मानता है। वह है राजस्थान के विश्नोई।

सन् १७३० में लगभग ३०० विश्नोइयों ने पेड़ों को बचाने के प्रयास में अपने जीवन को न्यौछावर कर दिया जब राजा के आदमी पेड़ों को काटने आए थे। लगभग आधी सहस्त्राब्दि से विश्नोइयों ने २९ नियमों को अपनी जीवन शैली में धर्म के रुप में अपनाया है। वे कठोरता से पर्यावरण की रक्षा के लिए इनका पालन करते हैं। उनमें से कुछ नियम हैं :

- कभी भी हरे–भरे पेड़ को न काटें।
- लकड़ी को बचाने के लिए शव को दफनायें।
- मिट्टी की उर्वरता को बनाये रखने और विभिन्न जीवों में संतुलन बनाये रखने के लिए वन्य जीवन की रक्षा करें।
- जगह–जगह पोखरों का निर्माण कर पानी का संरक्षण करें।

Second Anniversary Celebration-Shikohabad

Paryavaran Mitra celebrated its 2nd Anniversary by organizing a one day awareness camp for Bio-Fertilizer at village Bakalpur in collaboration with KVIC, Zonal Office, Meerut.

Farmers and women folk took part in large numbers from the nearby villages. S.K. Sharma, Development Officer, Bio-Technology, explained to the gathering of farmers about the necessity of using Bio-fertilizers instead of chemical fertilizer. He explained in detail the various methods of preparing Bio-fertilizer.

A.P. Verma, Dy. Director expressed plan of KVIC which provide assistance for establishing rural industry costing up to 25lakhs.

Paryavaran Mitra, Secretary, Dr Subodh Dubey emphasized the need of such camps and requested the farmers to come forward for the future training programmes, which P.M. will organize.

On this occasion Gram Pradhan Smt. Urmila Devi expressed her thanks to all speakers, guests and participants and requested all present to adopt and use Bi-fertilizer.

Chief guest Ram Avtar Raman, S.D.M., Shikohabad lauded the efforts of P.M. and appreciated the initiative taken by it in the direction of propagation of Bio-fertilizer. He also promised all help in this cause. Proceeding were conducted by Shashikant Pandey.

There were also drawing and debate competitions in the schools of Mainpuri, Shikohabad & Ferozabad. The students enthusiastically participated.

Shri Ramavtar Raman, Dy. Collector, Shikohabad was the Chief Guest at a one day awareness camp for Bio-Fertilizer at village Bakalpur in collaboration with KVIC, Zonal Office, Meerut.

ग्राम बाकलपुर में आयोजित जैविक खाद जागरुकता शिविर में मुख्य अतिथि पद से बोलते श्री राम औतार रमन, उपजिलाधिकारी, शिकोहाबाद।

The farmers attentively listening to the process of making various types of Bio-Fertilizer.

जैविक खाद जागरूता शिविर में उपस्थित किसान भाई जैविक खाद बनाने के तरीके के जानकारी लेते हुए।

Contact

Paryavaran Mitra, Dr. Subodh Dubey, Hind Lamps Parisar, Shikohabad-205141 Phone: (05676) 238797, 9837885143
E-mail: hindlamps@sify.com
Mumbai Unit: Paryavaran Mitra, K. Raghunath, Bajaj Electricals Limited, M.G. Road, Mumbai-400001 Phone: (022) 22043733
E-mail: paryavaran_mitra@bajajelectricals.com
Website: www.paryavaranmitra.com

द्वितीय जयंती समारोह –शिकोहाबाद

पर्यावरण मित्र ने अपनी द्वितीय वर्षगांठ ग्राम बाकलपुर में 'खादी ग्रामोद्योग आयोग' मण्डलीय कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जैविक खाद जागरुकता शिविर का आयोजन करके मनायी।

इस आयोजन में आसपास के गाँव के किसानों तथा महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। श्री एस.के. शर्मा, विकास अधिकारी, जैवप्रौद्योगिकी, मण्डलीय कार्यालय, खादी ग्रामोद्योग आयोग, मेरठ ने किसानों को रासायनिक खाद की अपेक्षा जैविक खाद के प्रयोग की आवश्यकता को बताया।

ए.पी. वर्मा, उपनिदेशक, खादी ग्रामोद्योग आयोग, मेरठ ने किसानों को खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया कि इस योजना में लाभार्थी ग्रामों में २५ लाख रुपये तक की परियोजनायें स्थापित कर, परियोजना लागत का २५ प्रतिशत तक अनुदान का लाभ उठा सकते हैं।

डॉ. सुबोध दुबे, सचिव, पर्यावरण मित्र ने शिविर के आयोजन की महत्ता तथा भविष्य में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आगे आने के लिए आहवान किया, जिसे 'पर्यावरण मित्र', खादी ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षकों की सहायता से आयोजित करेगा।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्रीमती उर्मिला देवी ने सभी वक्ताओं, आगंतुकों, भागीदारों और उपस्थित लोगों से जैविक खाद को अपनाने और प्रयोग करने के लिए निवेदन किया।

मुख्य अतिथि राम अवतार रमन, उपजिलाधिकारी, शिकोहाबाद ने 'पर्यावरण मित्र' की उपलब्धियों तथा जैविक खाद के प्रचार की दिशा में जो प्रयत्न किये जा रहे हैं, उन पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस दिशा में, सहयोग देने का भी वचन दिया। कार्यक्रम का संचालन शशिकान्त पाण्डेय ने किया। इसके पूर्व शिकोदाबाद, फिरोनाबाद आदि के स्कूलों में चित्रकला–वादविवाद प्रतियोंगिताओं मे बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

संपर्क

पर्यावरण मित्र : डा. सुबोध दुबे, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद–२०५१४१, फ़ोन : (०५६७६) २३४५०१-५०३, २३४४००
ई–मेल hindlamps@sify.com
मुंबई इकाई : पर्यावरण मित्र : के. रघुनाथ, बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, एम.जी. रोड, मुंबई–४०० ००१. फ़ोन : (०२२) २२०४३७३३
ई–मेल: paryavarn_mitra@bajajelectricals.com
वेबसाईट: www.paryavaranmitra.com

Second Anniversary Celebration-Mumbai

The second Anniversary of Paryavaran Mitra was celebrated in Mumbai on 22nd September 2006. Bittu Sahgal, the well known environmentalist who has been practicing and propagating environment protection for over 30 years and is actively involved in the 'Project Save the Tiger'. Was the chief guest He is also the editor and publisher of the magazine 'Sanctuary' and 'Cub'.

The Kamalnayan Bajaj Hall at Bajaj Bhawan was overflowing with the audience. The whole venue had an ambience of environment friendliness.

Akshay Deshpande welcomed the guests. Paromita rendered a song of nature especially written for the occasion by the noted poet and writer Prof. Nandlal Pathak (The poem appears on page 12).

Chief guest Bittu Sahgal with Paryavaran Mietra President- Kiran Bajaj and CMD of Bajaj Electricals -Shekhar Bajaj

मुख्य अतिथि बिट्टू सहगल पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज एवं सी.एम.डी, बजाज इलोक्ट्रिकल्स शेखर बजाज के साथ।

Bittu Sahgal seems to be mighty pleased receiving eco-friendly Kit of PM as a token of appreciation for his presence.

मुख्य अतिथि 'पर्यावरण हितैषी सामग्री' स्वीकार करते हुए अति प्रसन्न मुद्रा में।

Kiran Bajaj, President of Paryavaran Mitra added her word of welcome. She mentioned that 24th September being a Sunday, the anniversary function had to be advanced to 22nd which incidentally was the birthday of her father-in-law Shri Ramkrishna Bajaj. "It was only due to encouragement and suggestion by him many years back to undertake work on environment that I was inspired to start this movement.," she said. She then made a power point presentation enumerating various activities during the last two years. While she was happy that there were over 2400 members, yet in terms of activities, much ground has to be covered. She said that just as the charity begins at home, first we must take care of our immediate surroundings at place of work and residence. "Once enough is done at our end as also our dealers and vendors, then only we shall approach other corporates." she added

She was extremely happy that Bittu Sahagal had agreed to be with us as Chief Guest. She said that she looked forward to his association with this movement and guidance for Paryavaran Mitra activities.

Bittu Sahgal expressed his pleasure to be at this function and appreciated the work and mission of Paryavaran Mitra. He also said that he would be glad to be associated with Paryavaran Mitra.

द्वितीय जयंती समारोह – मुंबई

पर्यावरण मित्र की द्वितीय वर्षगांठ २२ सितम्बर २००६ को मुम्बई में मनायी गयी। इस अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद् श्री बिट्टू सहगल मुख्य अतिथि थे। जो पर्यावरण के अभ्यास एवं प्रसार में पिछले ३० वर्षों से कार्यरत हैं। श्री सहगल 'सेन्चुरी' और 'कब' पत्रिकाओं के सम्पादक एवं प्रकाशक होने के साथ–साथ 'बाघ बचाओ परियोजना' में सक्रियता से जुड़े हैं।

इस अवसर पर कमलनयन बजाज हॉल श्रोताओं से खचाखच भरा था और सारा कार्यक्रम स्थल पर्यावरण मित्रता के वातावरण से ओत– प्रोत था।

अक्षय देशपाण्डे ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि एवं लेखक प्रो. नन्दलाल पाठक द्वारा रचित 'प्रकृति गीत' परोमिता द्वारा प्रस्तुत गयी। (यह गीत पृष्ठ १२ पर प्रकाशित है।)

पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने अपने स्वागत के शब्द कहे और कहा कि ''हालांकि यह समारोह २४ सितम्बर को होना था पर रविवार होने के कारण आज मनाया जा रहा है; संयोगवश आज मेरे श्वसुर श्री रामकृष्ण बजाज का जन्मदिवस भी है। उन्हीं के कई वर्ष पूर्व दिये गये प्रोत्साहन एवं सुझाव से मुझे इस आन्दोलन को प्रारम्भ करने की प्रेरणा मिली।'' इसके बाद उन्होंने गत २ वर्ष की गतिविधियों की चित्रमय प्रस्तुति की।

जहाँ उन्होंने इस बात की प्रशंसा की पर्यावरण मित्र के २४०० से ज्यादा सदस्य बन गये हैं, वहीं उन्होंने कहा कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। पहले हमें अपने कार्यस्थल एवं घर के आसपास ही कार्य करना है। जब यह सब भलीभाँति हो जायेगा, हमारे सभी वेन्डर एवं डीलर इसमें सम्मिलित हो जायेंगे, तब हम अन्य व्यावसायिक संस्थानों से सम्पर्क करेंगे।

उन्होंने बिट्टू सहगल द्वारा मुख्य अतिथि बनने की सहमति पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की और आशा प्रकट की कि वह इस आन्दोलन के साथ जुड़ेंगे और पर्यावरण मित्र को उनका मार्गदर्शन मिलेगा।

बिट्टू सहगल ने पर्यावरण मित्र के लक्ष्य एवं कार्यों की प्रशंसा की और इस अवसर पर उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ''मैं पर्यावरण मित्र से जुड़कर खुश होऊंगा''।

उन्होंने 'बाघ बचाओ परियोजना' पर एक प्रभावशाली चित्रमय प्रस्तुति की और बहुत रोचक तरीके से दिखाया कि ''कैसे सारे जीव प्रकृति के नियमों का पालन

He then made an impressive slide presentation on "Save the Tiger". He very interestingly showed as to how all creatures live in perfect harmony and follow the laws of nature. He felt that **"when lots of us do little, lots get done"**. When things do not happen as per our expectation, we should not feel depressed. Bittu said he loved working with children with an average age of 12 years. He tells them that they are born with Magic Eyes but as they get older, they develop cataract and stop seeing and feeling the various pollutions happening around them. He tells them that if we build big malls and huge factories, but the tiger, elephants and other animals perish, the forests are cut, the rivers are polluted, will the future generation respect us as we respect persons like Gandhiji, Vinoba Bhave etc. "Environment protection in fact is patriotism in action Saving the tiger is nothing but saving ourselves and our future generation", he averred.

Bittu Sahgal took the audience to a 30 minute captivating journey through the eco-balance among the flora-fauna and animal life.

बिट्टु सहगल ने अपनी दिलचस्प वार्ता में दर्शकों को जंगल, पेड़–पौधों–वन्य जीवों के पारस्परिक संबंधों की जानकारी देकर मंत्रमुग्ध कर दिया।

Citing pertinent examples about the inter dependence of living beings, he said, "Nature has great balancing factor. The plants breathe out oxygen. Humans need oxygen to survive. If there are no plants who give out oxygen, humans will die. Similarly, humans exhale carbon dioxide, which plants need to survive. Thus, both the humans and plants need each other".

He continued "All animals (humans beings excluded), follow the laws of nature. They do not make judgement on whether an action is right or wrong. The tiger eats the deer. The deer eats the grass. In case the tigers die then the population of dears will increase, which will result in the shortage of grass and the balance of nature will be disturbed. Similar is the relationship between bees and the flowers. Similarly insects are eaten by frogs. Frog is eaten by snakes. Yet there is no enmity among them.

Reinforcing his belief in the children who can act as catalysts of taking the movement forward, he said. "I interact with over one million children. I tell them that there is only one animal in the world that has the technology to damage the world and that is the man. Why is it that no animal causes harm to the environment" he asked?

Narrating a heart rending example of man's commercial exploits leading to destruction of animal life, he said , "The female sea turtle lays the eggs on the beach and disappears in the sea never to return. When the eggs hatch, the new born by instinct moves towards the light emitted by the stars and into the water. Unfortunately, the presence of artificial light misguides them to move in the opposite direction and away from the sea. In the process they die, in thousands"

"One does not need to be a great scientist to know that if there

करते हुए पूर्ण सामन्जस्य से साथ–साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब **''हममें से बहुत से लोग थोड़ा–थोड़ा करें तो बहुत हो जाता है''।** जब कोई काम पूरा नहीं होता है तो हमें मायूस नहीं होना चाहिए''।

बिट्टू जी ने कहा कि उन्हें औसतन १२ वर्ष के बच्चों के साथ कार्य करने में बहुत आनन्द आता है। वे बच्चों को बताते हैं कि बचपन में सब जादुई आँखे लेकर पैदा होते हैं पर जैसे–जैसे बड़े होते हैं, उन पर एक पर्दा पड़ जाता है और वे आस–पास हो रहे प्रदूषण को देखना बन्द कर देते हैं। मेरा यह कहना है कि अपनी अगली पीढ़ी के लिए अगर हम बड़े–बड़े बाजार, फैक्ट्रियाँ बनाते रहेंगे, लंबी चौड़ी सड़के बना देंगे लेकिन अगर बाघ, हाथी और दूसरे जीव मर जायेंगे, जंगल कट जायेंगे, नदियाँ गंदी हो जायेंगी तो क्या अगली पीढ़ी कहेगी कि कितने अच्छे थे हमारे ये लोग ? हमारा वैसे ही सम्मान करेंगे जैसे कि हम आज गांधी जी, विनोबा भावे आदि का करते हैं ?

दरअसल पर्यावरण की रक्षा ही जीती जागती देशभक्ति है। बाघ को बचाना, स्वयं को तथा अपनी भावी पीढ़ी को बचाना है।

जीवों की परस्पर निर्भरता पर कई उपयुक्त उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ''प्रकृति एक बड़ा सन्तुलन कार्यतन्त्र है। पेड़–पौधे आक्सीजन को बाहर निकालते हैं जो कि मनुष्य के जीवन के लिए आवश्यक है। मगर ये नहीं रहेंगे तो मानव भी नहीं रहेंगे। इसी प्रकार मानव कार्बनडाई ऑक्साइड बाहर निकालते हैं जिनकी पेड़–पौधों को जिंदगी के लिए जरुरत है। इस प्रकार मानव और वृक्ष दोनों को एक दूसरे की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा कि सभी पशु, ''मानव को छोड़कर प्रकृति के नियमों का पालन करते हैं। इस बात पर ध्यान नहीं देते कि उनका कार्य गलत है या सही। बाघ, हिरण को खाता है। हिरण घास खाता है। सो अगर बाघ नहीं रहा तो हिरणों की संख्या बढ़ जायेगी जिससे घास की कमी हो जायेगी और प्रकृति का संतुलन बिगड़ जायेगा। ऐसा ही कुछ भौरों और फूलों में है। इसी प्रकार मेढक कीड़ों को खाता है और सांप मेढक को खाते हैं। पर किसी को किसी से दुश्मनी नहीं है''।

बच्चों में अपना विश्वास पुनः प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि यही इस आन्दोलन को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि ''मैं दस लाख बच्चों से संवाद करता हूँ और बताता हूँ कि सिर्फ मनुष्य के पास ऐसी टेक्नालाजी है जिससे कि प्रकृति को हानि पहुँचती है। पशु पर्यावरण को हानि नहीं पहुंचाता। मनुष्य के व्यवसायिक शोषण से किस तरह जंतु जीवन नष्ट होता है उसका एक मार्मिक उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया, ''मादा कछुआ समुद्र के किनारे अण्डे देकर समुद्र में चली जाती है और फिर वापस नहीं आती। अण्डों के फूटने पर नवजात कछुए अपनी सहजबुद्धि से समुद्र में तैरती तारों की रौशनी देखते हुए समुद्र की ओर चल पड़ते हैं। बद किस्मती से नकली रोशनी के कारण अक्सर ये उल्टी दिशा में चले जाते हैं और हजारों की संख्या में मर जाते हैं''।

is the great Indian bird in the forest, the forest is healthy. If there exists a tiger that means there exists the deer, the monkey and other animals and with that tree and water".

"In a place like Mumbai, 25000 flamingos come there every winter. We may think the marshland is useless but the flamingos find required food, hence they come there".

Briefing about the "Project Tiger', he said "Project Tiger was started in 1973 by the support of Smt Indira Gandhi. Between 1973 and 1983 the tiger population substantially increased. Unfortunately after that the focus has been lost and the tiger population is dwindling".

Summing up the presentation, Bittu Sahgal appealed to all those present to ensure in their own small ways that this delicate balance of nature and the interrelationship of plants and animals is never endangered.

"Shekhar Bajaj mentioned about his recent visit to New Zealand with 250 dealers, distributors with family where they saw environment protection being practiced and got all to commit themselves to environment protection in their own surroundings. He thanked Bittu Sahgal and all Paryavaran Mitras in the audience and presented to Bittu Sahgal a stuffed toy sheep he had brought from New Zealand".

Munira Chudasama-President of LMC Ladies Wing, Prof. Nandlal Pathak and Chetna Galal Sinha, recipient of IMC Ladies Wing Janakidevi Bajaj Puraskar were among many eminent personalities who joined the celebration.

समारोह में उपस्थित अन्य कई महत्वपूर्ण व्याक्तियों में मुनीरा चुडासमा, अध्यक्ष, आई एम.सी लेडीज़ विंग, प्रो. नन्दलाल पाठक और आई एम.सी लेडीज़ विंग जानकीदेवी बजाज पुरस्कार प्राप्तकर्ता चेतना गाला सिन्हा सम्मिलित थे।

(r-l) Shekhar Bajaj, Kiran Bajaj, Bittu Sahgal and Mukul Upadhyaya
(बाएं से) शेखर बजाज, किरण बजाज, बिट्टु सहगल और मुकुल उपाध्याय.

यह बात समझने के लिए कोई वैज्ञानिक होना जरुरी नहीं। यदि जंगल में कोई मोर–पक्षी है तो जंगल जीवित है अगर वहाँ बाघ है तो इसका मतलब है कि वहाँ चीतल होगा, सांभर होंगे, बन्दर भी होंगे, दूसरे जानवर होंगे और पानी भी होगा, पेड़ होगा, पक्षी होंगे–यह सब होगा अगर बाघ होगा तो।

'बाघ बचाओ परियोजना' के बारे में उन्होंने कहा कि इसे १९७३ में श्रीमती गांधी की सहायता से प्रारम्भ किया गया और १९८३ तक इनकी संख्या में काफी वृद्धि हुई। दुर्भाग्यवश अब इस पर ध्यान नहीं है और बाघों की संख्या घट रही है।

अपने वक्तव्य को समाप्त करते हुए उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अनुरोध किया कि वह प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने में जो कुछ भी कर सकते हैं, करें। जिससे कि पौधों और पशुओं की परस्पर निर्भरता पर कोई खतरा न आये।

श्री शेखर बजाज ने २५० विक्रेताओं और वितरकों तथा उनके परिवार के साथ हाल ही में अपने न्यूज़ीलैंड प्रवास की बात की। उन्होंने कहा कि वहां पर्यावरण संरक्षण का अच्छा पालन होता है। सब विक्रताओं ने प्रण किया कि वे अपने आस–पास के क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण का कार्य करेंगे। शेखर बजाज ने बिट्टु सहगल तथा उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। न्यूज़ीलैंड से लाया एक भेड़ का खिलौना उन्होंने बिट्टु सहगल को भेंट किया।

सब प्राणी अपने परिवारी।

यह हरी घास, झूमते पेड़
पशुपक्षी, फूलों की क्यारी।।
वन-पर्वत, सरिता तालों की
हो पूरी खातिर दारी।
सारी वसुधा अपना कुटुम्ब
सब प्राणी अपने परिवारी।।

कर सके प्रकृति की जो रक्षा,
वह है जीने का अधिकारी।
नागरिकबोध जागे हममें
हम रहें प्रकृति के आभारी।।
सारी वसुधा अपना कुटुम्ब,
सब प्राणी अपने परिवारी।

- प्रो. नन्दलाल पाठक